

The Year of Three

Ferdinando Frega

जिलेट: तीन का साल — अंक 1

उस साल को तैंतीस साल बीत चुके हैं। तीन एक ऐसी संख्या है जो मेरी ज़िंदगी में बुनी हुई है, मैं जो हूँ उसमें, मैं जो करता हूँ उसमें, मेरे होने तक में — और इसे पूरी तरह समझने के लिए मुझे साठ साल इंतज़ार करना पड़ा: तीन गुणा बीस, एक त्रिकोणीकरण, प्रार्थना की तरह, त्रिभुज की तरह, माँ जिलेट के तीन ब्लेडों की तरह।

संख्या तीन। कोई व्युत्पन्न संख्या नहीं — एक अभाज्य संख्या। जिसका मतलब है, एक साथ, तीन चीज़ें: आदमी की पूर्णता।

वही साल था जब मैंने शादी करने का फ़ैसला किया, कंपनी में एक ऐसी नियुक्ति पाई जो सिर्फ़ मेरे लिए बनी थी, फ़्रीमेसनरी में दीक्षा स्वीकार की, अपने बच्चों के जन्म का गवाह बना, अपने साथियों से तीन गुना मुनाफ़ा बटोरा, और पेशे में तैंतीस प्रतिशत की बढ़त के साथ परिपक्व हुआ।

फ़्रेम में जड़ने लायक़ साल — और यह मैं आज कह रहा हूँ, तैंतीस साल बाद।

यही वह साल भी था जब रुडयार्ड किपलिंग की द जंगल बुक से मेरी पहली गंभीर मुलाक़ात हुई, और फिर इफ़ — से, जो उन्होंने अपने बेटे के नाम लिखी थी, लड़के की असमय मौत के बाद।

मैं भीतर तक हिल गया, एक आदमी के तौर पर, एक पिता के तौर पर, एक फ़्रीमेसन के तौर पर। उसके बाद मेरी ज़िंदगी फिर कभी पूरी तरह वैसी नहीं रही।

रुडयार्ड किपलिंग — लेखक, कवि, फ़्रीमेसन, पत्रकार। 1865 में भारत में जन्मे, मुझसे ठीक सौ साल पहले। उन्हें गए अब नब्बे साल हो चुके हैं।

आज मैं ख़ुद को यह देखते हुए पाता हूँ कि भारतीय मूल का एक आदमी उस कंपनी की कमान सँभालकर क्या फ़ैसले लेगा, जिसने मेरे परिवार को सब कुछ दिया।

मुझे उम्मीद है, बहुत उम्मीद है, कि उसने भी इफ़— पढ़ी होगी।

स्वागत है, अध्यक्ष महोदय। आप मेरे भी अध्यक्ष हैं — क्योंकि आप मेरी माँ के रखवाले हैं। इसके लिए मैं आपका बस शुक्रिया ही अदा कर सकता हूँ।

फर्दिनांदो